डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष
सहकारी समितियां एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक
प्रकाशन दिनांक 1 अक्टूबर, 2025, डिस्पेच दिनांक 1 अक्टूबर, 2025

| वर्ष 69 | अंक 09 | भोपाल | 1 अक्टूबर, 2025 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

किसानों को लाभान्वित करेगी भावांतर योजना : मुख्यमंत्री

सोयाबीन विक्रय का पूरा लाभ लेंगे अन्नदाता

10 अक्टूबर से ई-उपार्जन पोर्टल पर प्रारंभ होंगे पंजीयन

एमएसपी से अंतर की राशि का भुगतान करेगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को दिए गए निर्देश

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में प्रारंभ की जा रही भावांतर योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को दायित्व दिए जाएं। इस योजना की विशेषताओं को प्रत्येक स्तर पर प्रचारित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले। सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि योजना के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी उपयोग करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अन्नदाताओं की चिंता कर सोयाबीन को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूलय 5328 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित की है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया है, उसी तरह सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ दिलवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए लागू की जा रही भावांतर योजना के संबंध में शुक्रवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे। वीडियो कांफ्रेंस में वरिष्ठ विधायक और प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल भी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विभिन्न मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, समस्त कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी नहीं होना चाहिए। हितग्राही को सीधा लाभ मिलना चाहिए। सभी के प्रयासों से भावांतर योजना पूर्णता सफल होगी।

10 अक्टूबर से शुरू होंगे पंजीयन

भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 10 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 25 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। भावांतर की अवधि 01 नवम्बर से 2025 से 31 जनवरी 2026 तक रहेगी। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से होगी। किसानों के भावांतर की राशि पंजीयन के समय दर्ज बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

भावांतर योजना, एक नजर में

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पूर्व की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात् भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है, ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसम मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के प्रमुख निर्देश

- सभी आवश्यक व्यवस्था की जाएं। कलेक्टर और संबंधित अधिकारी किसानों का हित निश्चित करें। अधिकारियों को क्षेत्रवार दायित्व दिए जाएं।
- भावांतर योजना के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दें।
- जिला स्तर पर नियमित समीक्षा भी हो। किसानों को सही दाम मिले, इसकी मॉनिटरिंग हो।
- भावांतर योजना किसानों के हित में है, इसका प्रचार-प्रसार किया जाये।
- सभी जनप्रतिनिधि सोशल मीडिया से प्रचार में भी सहयोग करें।
- पात्र किसान समय पर पंजीयन करवा लें जिससे पात्र किसान लाभ से वंचित न रहें।

मंत्री श्री सारंग ने सफाई मित्रों के साथ किया श्रमदान

भोपाल : पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सेवा पखवाड़े के तहत सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत भोपाल स्टेशन प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के समक्ष स्वच्छोत्सव- स्वच्छता ही सेवा 2025 में सहभागिता की। मंत्री श्री सारंग ने प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के समक्ष सफाई मित्रों एवं कार्यकर्ताओं के साथ श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया स्वच्छ भारत का संकल्प देशव्यापी जनआंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व और राष्ट्र सेवा का मार्ग है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को जनभागीदारी से ही सफल बनाया जा सकता है। स्वच्छ वातावरण से न केवल बीमारियाँ कम होती हैं, बल्कि यह समाज के स्वस्थ और समृद्ध भविष्य का भी आधार बनता है।

मंत्री श्री सारंग ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घर, गली, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि जब हम व्यक्तिगत स्तर पर स्वच्छता को अपनी आदत बनाएंगे, तभी स्वच्छ भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सफाई मित्र एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में विभिन्न प्रकार के सेवा, स्वच्छता और समाजोन्मुखी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

किसानों को मिलेगा उनकी उपज का वाजिब दाम : मुख्यमंत्री

- सोयाबीन उत्पादक किसानों को दी जायेगी भावान्तर राशि
- किसानों को फसलों की क्षति का दिया जाएगा मुआवजा
- मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश में प्रथम बनाया जाएगा
- मुख्यमंत्री ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन योजना में सिंगल विंडो पोर्टल का किया शुभारंभ
- मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम की हुई शुरुआत
- 215 करोड़ लागत के विकास कार्यों की दी सौगात
- मुख्यमंत्री सागर के जैसीनगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में जहां भी सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि अथवा रोग के कारण खराब हुई है, ऐसे सभी क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल क्षति का सर्वे कराया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि सर्वे के बाद किसानों को सोयाबीन की फसल की क्षति का समुचित मुआवजा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सोयाबीन की फसल का एमएसपी 5328 रूपये निर्धारित किया गया है। मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी यही रेट दिया जाएगा। किसी भी किसान को घाटा नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में धान पर भी बोनस बढ़ाया गया है। किसानों को भावांतर भुगतान योजना से उनके खाते में बोनस का पैसा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एमएसपी से कम दर पर फसल बिकती है तो भावान्तर की राशि सरकार द्वारा दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों की जिदंगी बेहतर और खुशहाल बनाने के लिए सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि दी जा रही है। मध्यप्रदेश में लाड़ली बहनों के जीवन में खुशियां लाने के लिए लाड़ली बहनों को दीपावली की भाईदूज से हर माह 1500 रूपये की राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास योजनाएं चलाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार के पास धन की कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के सुरखी विधानसभा क्षेत्र की नगर पंचायत जैसीनगर में पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा लगभग 215 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि के साथ ही पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। आज मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। मध्यप्रदेश को हम दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पहले नंबर पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए मध्यप्रदेश में किसानों को गाय पालने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशाला खोलने पर किसानों को लभगग 40 लाख रूपये की राशि मुहैया कराई जा रही है। इसमें 10 लाख रूपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिनके घर गाय है, वह गोपाल है, मध्यप्रदेश का हर बच्चा कृष्ण है। भगवान श्रीकृष्ण हो या भगवान श्रीराम इनके जीवन का एक-एक प्रसंग हम सभी को प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम दीनदयाल भी है, दीनदयाल यानि गरीब से गरीब आदमी की चिंता करने वाला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी गरीबों की चिंता कर रही है। पं. दीन दयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश सरकार गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास कर रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने गाय और मोर पंख का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गौवंश हत्या को प्रतिबंधित करने का सख्त कानून बनाया है। इस कानून का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त सजा का प्रावधान भी किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार गौवंश के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार ने गाय के संरक्षण के लिए प्रति गाय 40 रूपये प्रतिदिन तक का खर्च बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं बुंदेलखंड की धरती पर आया हूं तो मुझे अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की यह धरती हीरों, वीरों और महावीरों की धरती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती ने अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए देश भक्ति की मिसाल पेश की है।समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता संकल्प कार्यक्रम एवं सिंगल विंडो पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से गैस कनेक्शन घर-घर तक मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसकी शुरुआत आज जैसीनगर से हो रही है।

जैसीनगर का नाम जयशिवनगर और नगर परिषद बनाने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैसीनगर को नगर परिषद बनाने और जैसीनगर का नाम जयशिवनगर रखने की घोषणा की। साथ ही सागर जिले में बेवस नदी परियोजना की स्वीकृति की घोषणा की। वहीं जैसीनगर में महाविद्यालय के अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण कर उसका नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय के रखने, जैसीनगर में कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्कूल बनाने और सुरखी विधानसभा क्षेत्र में मसुरयाही-तोडा मार्ग लगभग 25 कि.मी. के निर्माण की भी घोषणा की।

सागर की श्रद्धांजलि योजना प्रदेश के लिए बनेगी मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर जिले में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के लिए शुरू की गई श्रद्धांजलि योजना संपूर्ण प्रदेश के लिए मॉडल बनेगी। उन्होंने नियुक्ति-पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं से कहा कि आप सभी और आगे बढ़े इसके लिए राज्य सरकार आपके साथ हमेशा खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धांजलि योजना के अंतर्गत 100 से अधिक लाभान्वित ग्रामीणों के साथ संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह योजना न केवल सागर के लिए बल्कि संपूर्ण प्रदेश के लिए मॉडल बनेगी। इस योजना को प्रदेश में लागू कर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने का कार्य किया जाएगा।

सोयाबीन के लिए प्रदेश में लागू होगी भावांतर योजना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावान्तर योजना लागू की जा रही है। किसानों को किसी भी हालत में घाटा नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को सोयाबीन का उचित मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोयाबीन के लिए एमएसपी प्रति क्विंटल 5328 रुपए घोषित की है। किसान संघों के सुझाव पर राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष सोयाबीन के किसानों को भावान्तर का लाभ दिया जाएगा।

भावांतर योजना में पंजीयन होगा आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान पहले की भांति मंडियों में सोयाबीन का विक्रय करेगा। अगर एमएसपी से कम कीमत पर सोयाबीन बिकता है तो किसानों के घाटे की भरपाई भावान्तर योजना के तहत सरकार द्वारा की जाएगी। फसल के विक्रय मूल्य और न्यूनतम समर्थन मूल्य MSP के अन्तर की राशि सीधे सरकार देगी। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना में किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जा रही है।

ऐसे होगा क्षतिपूर्ति का आकलन

यदि मंडी में औसत गुणवत्ता की कृषि उपज का विक्रय मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम हो लेकिन राज्य सरकार द्वारा घोषित औसत मॉडल भाव से अधिक हो तो किसान को केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य और वास्तविक बिक्री मूल्य के अंतर की क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

यदि मंडी में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य सरकार द्वारा घोषित औसत मॉडल भाव से भी कम हो तो किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य और घोषित औसत मॉडल भाव के अंतर की क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

किसानों के साथ सदैव खड़ी है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व में भी फसलों की क्षति पर किसानों को राहत राशि प्रदान की गई है। किसान हितैषी निर्णय पहले भी लिए गए हैं। बाढ़ से प्रभावित किसानों को भी सहायता दी गई। सकंट की घड़ी में किसानों के साथ सरकार सदैव खड़ी है। पीले मोजेक से हुए नुकसान के लिए भी सर्वे करवाया जा रहा है। किसानों को प्रभावित फसलों के लिये आवश्यक राहत प्रदान की जाएगी।

धान उत्पादक किसानों को दीपावली से पहले ही बोनस के रूप में दिया तोहफा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

6.69 लाख धान उत्पादक किसानों के खाते में 337 करोड़ बोनस राशि अंतरित की

किसानों की आर्थिक मजबूती से ही प्रदेश बनेगा समृद्ध

245 करोड़ लागत के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

बालाघाट जिले के 4000 से अधिक युवाओं को दिए नियुक्ति-पत्र

कटंगी में नया सामुदायिक अस्पताल और कटंगी-सिवनी राजमार्ग पर बनेगा नया सेतु

हाईस्कूल को हायर सेकेंड्री स्कूल में किया जाएगा प्रोन्नत

नेशनल पार्क से लगे खेतों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने कराई जाएगी सोलर फेंसिंग

राजीव सागर परियोजना से नहलेसरा बांध के इंटरलिंक के लिए कराया जाएगा परीक्षण

जंगली जानवरों के हमले में 5 मृतकों के परिजन को दिए जाएंगे 17-17 लाख रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कटंगी में आयोजित राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाताओं की खुशहाली में ही हम सबकी खुशहाली है। अन्नदाताओं की आर्थिक मजबूती ही देश और प्रदेश के विकास और समृद्धि का आधार है। हमारी सरकार ने किसानों के सभी हितों का विशेष ध्यान रखा है। हमारी विकास नीतियों के मूल में किसान ही हैं। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के लिए हम मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। किसानों को उनके हर वाजिब हक के साथ-साथ हमारी सरकार किसान सम्मान निधि भी दे रही है। यह निधि किसानों के प्रति हमारे सम्मान की अभिव्यक्ति है। किसानों के कल्याण और इनकी समृद्धि के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट जिले के कटंगी तहसील मुख्यालय में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 6 लाख 69 हजार 272 धान उत्पादक किसानों के खाते में 337 करोड़ 12 लाख रुपये की प्रोत्साहन (बोनस) राशि सिंगल क्लिक से उनके बैंक खातों में अंतरित की। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जित करने वाले किसानों को प्रति हेक्टेयर 4 हजार अधिकतम 10 हजार रूपये की बोनस राशि देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले में करीब 245 करोड़ रुपये की लागत वाले 78 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इसमें 39 करोड़ रूपए लागत से बालाघाट में सरेखा आर.ओ.बी. एवं परसवाड़ा में 31 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण भी शामिल है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित ग्रामों के 850 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। इन सभी युवाओं को गृह विभाग के विशेष सहयोगी दस्ते में नियुक्ति दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले में हुए रोजगार महोत्सव के जरिए चुने गए 3700 से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में नियुक्ति पत्र भी दिए। इन चयनितों में लगभग 1000 युवतियां भी शामिल हैं, जिन्हें बेंगलुरु की निजी कंपनियों में नियुक्ति दी जा रही है।

किसानों को कोई तकलीफ नहीं होने देंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सम्मेलन न केवल किसानों की समृद्धि, बल्कि युवाओं के लिए भी नए अवसरों से भरपूर है। किसान और युवा विकास के सेतु की तरह हैं। प्रदेश के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार इन दोनों के परिश्रम और असीम ऊर्जा को नई दिशा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के आशीर्वाद से ही किसान का बेटा आज मुख्यमंत्री है। किसानों को कोई तकलीफ नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गेहूं और सोयाबीन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की अतिरिक्त बोनस राशि भी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बालाघाट जिले के जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर का चावल और जैविक गुड़ भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने दी अनेक सौगातें

किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि कटंगी में नया सामुदायिक अस्पताल बनाया जाएगा। हाईस्कूल को हायर सेकेंड्री स्कूल में प्रोन्नत किया जाएगा। कटंगी से सिवनी राजमार्ग पर नया सेतु बनाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के किसानों की बड़ी समस्या का निदान करते हुए कहा कि पेंच नेशनल पार्क की परिधि क्षेत्र से लगे खेतों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए चारों ओर सोलर फेंसिंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राजीव सागर सिंचाई परियोजना से नहलेसरा बांध को इंटरलिंक कराने के लिए परीक्षण कराकर कार्ययोजना तैयार कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जंगली जानवरों के हमले में जान गंवाने वाले क्षेत्र के 5 मृतकों स्व. श्री सुखराम, स्व. श्री प्रकाश, स्व. श्री अनिल, स्व. श्री मंगरू एवं स्व. श्री सेवकराम के परिजनों को मुआवजे की शेष राशि के रूप में 17-17 लाख रूपए देने की घोषणा की। इन सभी मृतकों के परिजन को 25-25 लाख रुपए मुआवजा मिलना था इसमें से 8-8 लाख रूपए परिजनों को पहले ही दिए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां चंद्रघंटा के साथ ज्वाला मैया का आशीर्वाद भी कटंगी में मिला है। बालाघाट ने विकास का लंबा रास्ता तय किया है और आज विकास की अहम धुरी बन चुका है। यहां के किसानों और जवानों ने अपने परिश्रम से क्षेत्र का माहौल ही बदल दिया है। यहां के जीआई टैग वाले चिन्नौर के चावल की खुशबू दूर-दूर तक फैली हुई है। उन्होंने कहा कि रोजगार के अभाव में बालाघाट के कुछ युवा पथ भ्रमित हो गए थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने नक्सल उन्मूलन के लिए 31 मार्च 2026 की तारीख तय कर दी है। उन्होंने कहा कि आज बालाघाट के 850 जवानों को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। अब यहीं के युवा यहीं पर प्रशिक्षण लेकर अपने गांव, कस्बे, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों की रक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अपने सभी संकल्पों को पूरा करते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है। किसानों को सम्मान निधि के साथ-साथ प्रोत्साहन राशि का लाभ मिल रहा है। राज्य सरकार ने लाड़ली बहनों से किया वादा भी निभाया है। रक्षाबंधन पर उन्हें 1500 रुपए दिए, अब दीपावली की भाईदूज से हर माह 1500 रुपए देंगे। हम धीरे-धीरे यह राशि बढ़ाकर 3000 रुपए कर देंगे।

गौमाता को संरक्षण और सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने गौमाता को संरक्षण देने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। किसान भाई अधिक से अधिक गाय पालकर दुग्ध उत्पादन करें और अपनी आय बढ़ाएं। किसान भाई गौपालन के साथ-साथ प्राकृतिक खेती से जुड़ें। उन्होंने कहा कि जिसके घर गाय वो गोपाल, 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास गौमाता में होता है। कोई भी गौमाता को परेशान करेगा, उसे समाज में रहने की कोई जगह नहीं है। हमारी सरकार ने गौशालाओं के अनुदान की राशि बढ़ाई है। प्रदेश में बड़ी-बड़ी गौशालाएं खोली जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीपावली से पहले ही किसानों को धान के बोनस के रूप में तोहफा मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जीएसटी की दरों में छूट देकर देशवासियों को दीपावली का बचत गिफ्ट दिया है। हम स्वदेशी उत्पादों और स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करें और इस स्वदेशी भाव को आगे बढ़ाकर अपने देश को सशक्त और समृद्ध बनाएं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में हितलाभ वितरित किये।

स्कूल शिक्षा, परिवहन एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के किसानों और युवाओं सहित सभी की चिंता करते हैं। वे बालाघाट के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे धान के अलावा अन्य फसलें भी लगाएं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती में अधिक लाभ है। उन्होंने किसानों से खेती में फसल चक्रण को अपनाने की अपील की।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने भी किसान सम्मेलन को स्थानीय भाषा में संबोधित किया। उन्होंने किसानों से कहा कि मुख्यमंत्री दीपावली की सौगात लेकर आपके बीच आए हैं। साथ ही युवाओं के लिए भी रोजगार लेकर आए हैं। हमारी सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्राण-प्रण से जुटी है।

कटंगी विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ कृषि विकास एवं कृषि आधारित उद्योग विकसित करने पर भी विशेष प्रोत्साहन प्रदान कर रहे हैं।

सहकारी समितियों को आवास संघ का सदस्य बनने पर निर्माण कार्यों में मिलेगी प्राथमिकता

"एमपी चीता" ब्रांड बनेगा म.प्र. बीज संघ की पहचान, किसानों को मिलेगा गुणवत्तापूर्ण बीज

मंत्री श्री सारंग की अध्यक्षता में हुई सहकारी आवास संघ एवं बीज संघ की साधारण सभा

भोपाल : सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की अध्यक्षता में समन्वय भवन, भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी आवास संघ मर्यादित एवं मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित की वार्षिक साधारण सभाएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न समितियों के सदस्य एवं संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आवास संघ की साधारण सभा

सभा की शुरुआत मध्यप्रदेश राज्य सहकारी आवास संघ की 47वीं वार्षिक साधारण सभा से हुई। इस दौरान आवास संघ का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना और नवीन प्रस्तावों पर चर्चा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रस्तावित बजट भी रखा गया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आवास संघ को प्रदेश में एक सशक्त निर्माण एजेंसी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि संघ द्वारा कराए जाने वाले सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हों और उन्हें समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश की सभी प्राथमिक सहकारी समितियों को आवास संघ की सदस्यता प्रदान करने की कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए सदस्यता शुल्क राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया जा रहा है, जिससे संघ का कॉर्पस फंड सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांसद एवं विधायक निधि से होने वाले विकास कार्यों को भी आवास संघ के माध्यम से कराने की दिशा में पहल की जाए।

बीज संघ की साधारण सभा : 'एमपी चीता ब्रांड' की पहचान

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित की 20वीं साधारण सभा संपन्न हुई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, इसमें सहकारिता आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बीज उत्पादन और वितरण को लेकर गंभीर है। इसी दिशा में "एमपी चीता" नामक ब्रांड विकसित किया गया है, जो बीज संघ की पहचान बनेगा। इस ब्रांड के माध्यम से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले उन्नत बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि समितियां ही "एमपी चीता" ब्रांड की ब्रांड एंबेसडर होंगी। इसके लिए पांच वर्षों का एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसे राष्ट्रीय स्तर तक स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज किसानों की उपज और आमदनी दोनों बढ़ाते हैं। "एमपी चीता" ब्रांड का उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना, सहकारी संस्थाओं को लाभ पहुँचाना और प्रदेश को कृषि के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना है।

सभा में सहकारिता आयुक्त श्री मनोज पुष्प, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता, बीज संघ के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित, आवास संघ के प्रबंध संचालक श्री विश्वकर्मा सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

किसानों की समृद्धि और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धान किसानों की चिंता करते हुये टीबी जैसे लक्षणों वाले घातक रोग 'मेलिओइडोसिस' की रोकथाम के उपाय किये जाने पर गंभीर रूख अपनाया है। उन्होंने इस संबंध में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और कृषि विभाग को साथ मिलकर जांच और उपचार रोकथाम के लिए यथोचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि किसानों और आमजन का स्वास्थ्य और समृद्धि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान और वंचित वर्गों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य और कृषि विभाग को निर्देश दिए हैं कि संभावित और प्रभावित क्षेत्रों में इन प्रकरणों की जांच करें। इसकी रोकथाम के लिए कृषकों को सजग और जागरूक करें। यदि कोई कृषक या व्यक्ति चिन्हांकित होता है, तो उसके समुचित उपचार के प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय है कि एम्स भोपाल की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदेश में धान का रकबा बढ़ने और पानी के स्रोत अधिक होने से इस बीमारी का संक्रमण बढ़ रहा है। जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में 'मेलिओइडोसिस' से प्रभावित रोगियों की पुष्टि हुई है। विशेषत: धान के खेतों की संक्रमित मिट्टी में पाए जाने वाले बैक्टीरिया से होने वाले इस रोग के संबंध में जागरूकता, समय पर पहचान और उपचार के संबंध में एम्स भोपाल द्वारा प्रशिक्षण-सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसमें प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों तथा अस्पतालों के प्रबंधकों और चिकित्सकों ने भी सहभागिता की है।

'मेलियोइडोसिस' एक संक्रामक बीमारी है जो 'बर्कहोल्डरिया स्यूडोमैली' नामक बैक्टीरिया से होती है। यह बैक्टीरिया आम तौर पर मिट्टी और पानी में पाया जाता है। बीमारी के प्रमुख लक्षण लंबे समय तक बुखार रहना या बार-बार बुखार आना, लगातार खांसी होना, जो टीबी जैसी हो सकती है। सांस लेने या सामान्य गतिविधि के दौरान सीने में दर्द होना और टीवी समझकर शुरू किए गए इलाज के बावजूद लक्षण में सुधार न होना है। इस बीमारी का सबसे अधिक खतरा खेती-किसानी से जुड़े लोगों को हो सकता है, क्योंकि उनका सीधा संपर्क मिट्टी और पानी से होता है। डायबिटीज (मधुमेह) के मरीज और अधिक शराब का सेवन करने वालों को भी यह बीमारी हो सकती है। इस बीमारी की तत्काल जाँच के साथ उपचार एवं सावधानी रखकर बचाव किया जा सकता है।

मत्स्य पालन में सहकारिता की भूमिका पर सेमिनार आयोजित

ग्वालियर। मत्स्य सहकारी संस्थाओं के संचालक मंडल, अधिकारी, कर्मचारी एवं सदस्यों के साथ सहकारिता विभाग एवं मत्स्य उद्योग विभाग के प्रतिनिधियों ने ग्वालियर में "मत्स्य पालन में सहकारिता की भूमिका" विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन किया। सेमिनार में मत्स्य पालन क्षेत्र में सहकारी समितियों के योगदान, सामूहिक संसाधन प्रबंधन, वित्तीय सहायता एवं बाजार तक पहुंच की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने आगामी योजनाओं में तकनीकी उन्नयन, प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना और अनुदान योजनाओं पर जोर दिया। सभी उपस्थित व्यक्तियों ने सहकारिता के माध्यम से मत्स्य उद्योग को मजबूती देने का संकल्प लिया, जिससे ग्वालियर जिला मध्य प्रदेश में मत्स्य उत्पादन में एक उन्नत मॉडल बन सके।

दूध उत्पादन में मध्यप्रदेश को बनायेंगे अग्रणी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में विकास की रफ्तार किसी भी हाल में थमेगी नहीं। सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में अभी मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर है। हम दूध उत्पादन में मध्यप्रदेश को देश में पहले स्थान पर लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डॉ. आंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत पशुपालकों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके तहत 25 से अधिक गाय पालने वाले गोपालकों को 10 लाख रूपये तक का अनुदान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अशोकनगर जिले के मुंगावली विधानसभा के ग्राम रसुल्ला में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में ग्राम रसुल्ला के समाजसेवी स्व. श्री रघुवीर सिंह यादव की स्मृति में आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में गाय पालन करें और दूध, दही, मक्खन सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी कर सरकार की अनुदान योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों एवं परम्पराओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। दशहरे पर शस्त्रपूजन पूरे प्रदेश के शस्त्रागारों में किया जाएगा। इसी तरह दीपावली में गोवर्धन पूजा भी की जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। भगवान श्रीराम के चरणों के पड़ावों को राम वन गमन पथ के रूप में सजाया-संवारा जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेशभर में गीता भवन बनाए जाएंगे तथा श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रम मोदी द्वारा किसान सम्मापन निधि के माध्यमम से किसानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। हर घर नल से जल योजना के अंतर्गत घर-घर जल पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को पक्का मकान,उज्जहवला योजना के तहत गैस सिलेण्डतर तथा नि:शुल्क खाद्यान्नी उपलब्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्वा में प्रदेश सरकार हर वर्ग को साथ लेकर कार्य कर रही है। लाड़ली बहनों को प्रतिमाह राशि उपलब्धृ कराकर उनका मान सम्मा न बढ़ा रही है। पूरे प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की व्य वस्था बेहतर हुई है। उन्होंरने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा संचालित आयुष्मा न भारत योजना के तहत आयुष्माान कार्ड के माध्यनम से गरीबों का इलाज मुफ्त कराया जा रहा है। साथ ही और अधिक गंभीर इलाज के लिए आवश्याकता होगी तो प्रदेश सरकार एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने की अनेक घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम रसुल्ला के हाईस्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने खेल मैदान एवं खेल परिसर के निर्माण की भी घोषणा की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री ने ग्राम रसुल्ला से लगे गांवों में लगभग 100 हेक्टेयर की सिंचाई परियोजना का सर्वेक्षण करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हर सिंचाई योजना पर सरकार गंभीरता से काम कर रही है और प्रदेश का कोना-कोना सिंचित होगा।

राहवीर योजना बनेगी मददगार

मुख्यरमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राहवीर योजना के तहत अगर किसी का एक्सीडेंट हो जाता है और यदि कोई व्यक्ति उन्हें समय से अस्पताल पहुंचाकर जान बचाते हैं तो व्यीक्ति को 25 हजार रुपये की राशि योजना के अंतर्गत उपलब्धस कराई जायेगी। इस योजना का उद्देश्य आम लोगों को बिना किसी डर के इमरजेंसी में सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए प्रेरित करना है।

अपेक्स बैंक एवं सहकारी विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी आयोजित

सहकारिता क्षेत्र में माइक्रो फाइनेंस के प्रयास अत्यन्त सराहनीय – व्ही.जी. धर्माधिकारी

शासन के मार्गदर्शन में सकारात्मक प्रयास हेतु तत्पर अपेक्स बैंक – मनोज गुप्ता

भोपाल। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर अपेक्स बैंक एवं सहकारी विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में समन्वय भवन, भोपाल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय था – "बैंकिंग क्षेत्र में बदलते परिवेश में सहकारी बैंकों के समक्ष उपस्थित चुनौतियाँ एवं उनके समाधान हेतु उचित प्रबंधन तथा माइक्रो फाइनेंस के माध्यम से अंतिम छोर तक वित्तीय सुविधा का विस्तार।" संगोष्ठी में मुख्य वक्ता मैनिट की सहायक प्राध्यापक डॉ. जागृति गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश की बहुसांस्कृतिक व बहुभाषी परिस्थितियों में गरीब तबके तक सूक्ष्म वित्त सुविधा पहुँचाने के लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप्स (SHG), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एनजीओ और स्थानीय समूहों को प्रशिक्षित करना प्रभावी कदम होगा। उन्होंने बताया कि माइक्रो फाइनेंस ने न केवल सामाजिक व आर्थिक उत्थान को जन्म दिया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायी गति भी प्रदान की है। सहकारी विचार मंच के अध्यक्ष एवं म.प्र. के पूर्व सचिव (सहकारिता) श्री व्ही.जी. धर्माधिकारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में सहकारिता क्षेत्र के पास उत्कृष्ट आधारभूत संरचना है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से सूक्ष्म वित्त के क्षेत्र में अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का जो कार्य हो रहा है, वह अत्यन्त प्रशंसनीय है।अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में बैंक ने मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। शासन के सहयोग से नवागत अधिकारियों व कर्मचारियों को बैंकिंग एवं अन्य विषयों का प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शासन के नीति-निर्देशों का पालन करते हुए अपेक्स बैंक वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करेगा।संगोष्ठी का संचालन अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य श्री पी.एस. तिवारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन अपेक्स बैंक के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (ऋण/परिचालन/जनसंपर्क) श्री एस.के. गुप्ता ने किया।इस अवसर पर उप सचिव, सहकारिता श्री मनोज सिन्हा, पूर्व मुख्य महाप्रबंधक अपेक्स बैंक श्री के.आर. साहू, पूर्व सलाहकार श्री एल.डी. पंडित, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला बैंक उज्जैन श्री नीलेश जिंदल, शरण माइक्रो फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधि सहित सहकारिता विभाग एवं शीर्ष सहकारी संस्थाओं के सेवारत व सेवानिवृत्त अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अपेक्स बैंक प्रशिक्षण संस्थान में नवनियुक्त संवर्ग अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

भोपाल। अपेक्स बैंक प्रशिक्षण संस्थान में शीर्ष बैंक के नवनियुक्त संवर्ग अधिकारियों के लिए विशेष मैदानी प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता जी द्वारा किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों को सहकारी साख संरचना के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना है। प्रशिक्षण में अधिकारियों को शीर्ष बैंक मुख्यालय, बैंक शाखाओं, विपणन संस्थाओं तथा प्राथमिक कृषि साख समितियों (पेक्स) के कार्य संचालन की जानकारी दी जाएगी। साथ ही विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रत्यक्ष मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा ताकि अधिकारी सहकारिता तंत्र की गहन समझ विकसित कर सकें।

शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य श्री पी.एस. तिवारी, उप सचिव सहकारिता श्री मनोज सिन्हा, अपेक्स बैंक के उप महाप्रबंधक श्री के.टी. सज्जन, ओएसडी श्री अरविंद बौद्ध तथा संकाय सदस्य श्री आर.के. दुबे एवं श्री चौरागड़े उपस्थित रहे।

प्रबंध संचालक श्री गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारी संरचना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। नवनियुक्त अधिकारियों को इसकी बारीकियों की समझ होना आवश्यक है, जिससे वे किसानों और ग्रामीण समाज की आर्थिक प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकें। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई बातों को अपने कार्यक्षेत्र में लागू कर सहकारी आंदोलन को नई दिशा प्रदान करेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यशाला कई चरणों में आयोजित होगी, जिसमें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव पर विशेष बल दिया जाएगा।

महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति सेजवानी की 25वीं वार्षिक साधारण सभा

इंदौर। महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित सेजवानी, सम्बद्ध इंदौर दुग्ध संघ, जिला इंदौर के तत्वावधान में समिति की 25वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन होटल राजनन्दन, सेजवानी में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शुभेन्द्र सिंह पंवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला संघ धार रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्री लक्ष्मीनारायण चावड़ा, प्रचार प्रसार अधिकारी, जिला सहकारी संघ धार तथा श्री मोहन वास्केल, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक एवंश्री मुकेश सागरे, संस्था पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष सुश्री सुशीला बाई पटेल ने की। समिति उपाध्यक्ष श्रीमती बबीता बाई राठौड़ तथा पर्यवेक्षक श्री जीतराम बेगाभी मंचासीन रहे। सभा में वर्ष 2024-25 केवित्तीय पत्रक का अवलोकन एवं अनुमोदनकिया गया। मुख्य अतिथि श्री पंवार ने अपने उद्बोधन में सहकारिता के सिद्धांतों और उनके व्यवहारिक महत्व पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथि श्री चावड़ा ने समिति की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति सेजवानी एक आदर्श संस्थाके रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि समिति के प्रत्येक सदस्य का बीमा होना चाहिए ताकि आकस्मिक परिस्थितियों में परिवार को आर्थिक सहयोग मिल सके।

क्षेत्रीय पर्यवेक्षक श्री मोहन वास्केल ने शासन एवं इंदौर दुग्ध संघ द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं – जैसेसांची दुग्ध उत्पादक चिकित्सा सहायता योजना, दुग्ध उत्पादक सहायता अनुग्रह राशि योजना, सांची जननी सुरक्षा योजना, दुग्ध समिति कर्मचारी मृत्यु सहायता राशि योजना, आचार्य विद्यासागर गोसंवर्धन योजना, चार बीज अनुदान योजना, पशु मास डिवर्मिंग योजना, दुग्ध उत्पादक कृषक भ्रमण योजना एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर योजना – की विस्तार से जानकारी सदस्यों को दी।

पशुपालन के विषय परश्री योगेश पटेल ने महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन श्री महेश सिंह सुनेर द्वारा किया गया तथा अंत में समिति के सचिव श्री विजय सिंह चौहान ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित महिला एवं पुरुष सदस्यों का आभार व्यक्त किया।सभा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सदस्य उपस्थित रहे और वातावरण उत्साहपूर्ण रहा।

सहकारिता से सशक्त होगा विश्व – कुक्षी में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष सेमिनार संपन्न

धार। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर"सहकारी समितियां एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं" विषयक सेमिनार का आयोजन कुक्षी तहसील में किया गया। यह कार्यक्रम सहकारिता विभाग धार के सहयोग से जिला सहकारी संघद्वारा आयोजित किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर के पूर्व प्राचार्य श्री के.एल. राठौर रहे। विशेष अतिथियों के रूप में श्री प्रताप सिंह कनेश (प्रशासक, बहुउद्देशीय सहकारी संस्था एवं वरिष्ठ अंकेक्षण अधिकारी), श्री महेश पाटीदार (शाखा प्रबंधक, कुक्षी) तथा श्री जितेंद्र (इफको प्रतिनिधि) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बहुउद्देशीय सहकारी संस्था के वरिष्ठ किसान श्री रतन सिंह रामाने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत जिला सहकारी संघ के श्री लक्ष्मीनारायण चावड़ा एवं बहुउद्देशीय सहकारी संस्था कुक्षी की प्रबंधक सुश्री अनिष्का एस.के. ने किया।

अपने संबोधन में श्री महेश पाटीदार ने बैंक की योजनाओं की जानकारी दी। वहीं श्री प्रताप सिंह कनेश ने संस्था के परिचय एवं वसूली की स्थिति पर प्रकाश डाला।इफको प्रतिनिधि श्री जितेंद्रने किसानों को नैनो खाद की उपयोगिता और उसके रखरखाव की जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री के.एल. राठौर ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के विषय –"सहकारी समितियां बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं" – के उद्देश्य पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए सहकारी आंदोलन की विश्वस्तरीय गतिविधियों और भारत में इसकी वर्तमान स्थिति पर जानकारी दी।इस अवसर पर कुक्षी तहसील के100 से अधिक वरिष्ठ किसानउपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालनजिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारीश्री शुभेंद सिंह पवारने किया तथा आभार बी-पैक्स सहकारी संस्था की प्रबंधक सुश्री अनिष्का एस.के.ने व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ की 61वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ की 61वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन आज दिनांक 25 सितम्बर 2025 को दोपहर 12.30 बजे संघ के प्रधान कार्यालय, शाहपुरा, भोपाल में सम्पन्न हुआ। सभा की अध्यक्षता संघ के प्रशासक एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, म.प्र. श्री मनोज पुष्प ने की।सत्र का शुभारंभ संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन द्वारा प्रशासक श्री मनोज पुष्प का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत से हुआ। तत्पश्चात् प्रबंध संचालक ने संघ द्वारा संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।सभा में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आये प्रतिनिधियों ने उपभोक्ता संघ की गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।इस अवसर पर प्रशासक श्री पुष्प ने उपभोक्ता संघ को आर्थिक रूप से सक्षम एवं प्रासंगिक बनाने की दिशा में किसी विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन योजना (Long-term & Short-term Plan) तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता संघ को पुनः जीवंत करने के लिए सभी स्तरों पर ठोस प्रयास किये जाएंगे।साथ ही उन्होंने संघ के व्यवसाय में वृद्धि के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनसे संघहित में समर्पित भाव से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

श्री गुजराती रामी माली समाज नवयुवक साख सहकारी संस्था की 23वीं साधारण सभा सम्पन्न

धार। श्री गुजराती रामी माली समाज नवयुवक साख सहकारी संस्था मर्यादित, नौगांव, धार की तेइसवीं वार्षिक साधारण सभा गत दिवस बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष श्री मोतीलाल चावड़ा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा महेश बोड़ाने मुख्य अतिथि तथा गुजराती रामी माली समाज नौगांव, धार के अध्यक्ष श्री मुकेश मकवाना विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद संस्था अध्यक्ष श्री मोतीलाल चावड़ा ने स्वागत भाषण देते हुए संस्था की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं प्रगति यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्था के 2200 सदस्य आज संगठन की शक्ति और विश्वास का प्रतीक हैं।

संस्था सचिव श्री अंचल हारोड़ ने अपने संबोधन में बताया कि संस्था द्वारा डिजिटलाइजेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ऑनलाइन एप्लीकेशन एवं डिजिटल पासबुक की सुविधा प्रारंभ की गई है, जिससे सदस्यों को लेन-देन में और अधिक सुविधा होगी।

संस्था उपाध्यक्ष श्री गेन्दालाल टाकोलिया (जी.टी.) ने संस्था की अब तक की प्रगति तथा आने वाले वर्षों की कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी दी।

संस्था प्रबंधक एवं कोषाध्यक्ष श्री रामगोपाल दयाल ने वर्ष 2024-25 का आय-व्यय पत्रक तथा वर्ष 2025-26 का प्रस्तावित बजट सभा में प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा बोड़ाने ने अपने उद्बोधन में संस्था की सराहना करते हुए कहा कि सहकारी संस्थाएं समाज को संगठित करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने संस्था सदस्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विशेष अतिथि समाज अध्यक्ष श्री मुकेश मकवाना ने संस्था की उन्नति पर खुशी व्यक्त की और संचालक मंडल को बधाई दी।जिला संघ सलाहकार श्री लक्ष्मीनारायण चावड़ा ने सहकारिता के अधिकारों और नियमों पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों को जागरूक किया।उद्योगपति श्री विरेंद्र मोहनलाल डोडिया (पहलवान) ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अच्छी शिक्षा और तकनीकी ज्ञान हासिल कर आत्मनिर्भर बनें और उद्योग जगत में योगदान दें।इस अवसर पर छात्रा भूमिका ताराचंद चावड़ा को वर्ष 2025 में 97% अंक प्राप्त कर धार जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विशेष सम्मानित किया गया। सभा में संस्था के मेधावी विद्यार्थियों, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर विजेता खिलाड़ियों तथा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को प्रशंसा पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

संस्था कर्मचारियों को उनकी मेहनत और निष्ठा के लिए एक माह का अतिरिक्त बोनस प्रदान किया गया।संस्था के 6 दिवंगत सदस्यों के नामित परिवारों को प्रत्येक को तीन-तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आयोजित सभा में अध्यक्ष श्री मोतीलाल चावड़ा, उपाध्यक्ष श्री गेन्दालाल टाकोलिया एवं श्री पुरषोत्तम चौहान, सचिव श्री अंचल हारोड़, कोषाध्यक्ष/प्रबंधक श्री रामगोपाल दयाल, सहसचिव श्री अंकित चौहान, उपकोषाध्यक्ष श्री प्रहलाद डोडिया, बैंक प्रतिनिधि श्री मनीष मकवाना, जिला संघ प्रतिनिधि सुश्री उपासना चावड़ा, सहकारिता सलाहकार श्री लक्ष्मीनारायण चावड़ा, उपभोक्ता प्रतिनिधि श्रीमती अनिता चावड़ा, संरक्षक श्री बाबूलाल चौहान, विधि सलाहकार श्री घनश्याम मकवाना, संचालक मंडल के सदस्य श्री चन्द्रशेखर चावड़ा, श्री हरिश चावड़ा, कर्मचारी श्री महेन्द्र चौहान, श्री राजेश चावड़ा एवं श्री शंकरलाल परमार सहित संस्था के सम्मानित सदस्य एवं समाज के अनेक गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष श्री पुरषोत्तम चौहान एवं सचिव श्री अंचल हारोड़ ने किया।आभार प्रदर्शन संस्था के सहसचिव श्री अंकित चौहान द्वारा किया गया।

सहकारिताएं बेहतर विश्व का निर्माण करती है–सहकारी सेमिनार सम्पन्न

रतलाम। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष में"सहकारिताएं बेहतर विश्व का निर्माण करती है"विषय पर दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाओं के लिए विशेष सहकारी सेमिनार का आयोजन सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी संघ, रतलाम द्वारा होटल स्वाद एग्जॉटिका में किया गया।कार्यक्रम में जिलेभर से जुड़ी दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के प्रतिनिधि, सहकारिता विभाग के अधिकारी, पदाधिकारी एवं विशेषज्ञ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि उपायुक्त सहकारिता एन.एस. भाटी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता केवल एक संगठनात्मक ढांचा नहीं है, बल्कि यह किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार सहकारिता को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्पष्ट विजन है कि देश की हर पंचायत में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था (PACS) स्थापित की जाए। इससे सबसे छोटे गांव का किसान भी सहकारी ढांचे से जुड़कर लाभान्वित होगा।

उन्होंने बताया कि जिले में नई सहकारी संस्थाओं का तेजी से गठन हो रहा है। पेक्स संस्थाओं को बहुउद्देशीय स्वरूप दिया गया है, जिसके अंतर्गत अब वे केवल कृषि ऋण और खाद-बीज वितरण ही नहीं, बल्कि पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, जन औषधि केंद्र, उपभोक्ता वस्तुएं वितरणजैसे विविध व्यवसाय भी संचालित कर सकेंगी। इस प्रकार सहकारी संस्थाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी और किसान उचित मूल्य पर आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकेंगे।

अतिथि वक्ता सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के पूर्व प्राचार्य एन.के. कसारा ने कहा कि भारत की सहकारी व्यवस्था"सहकार से समृद्धि"के दर्शन पर आधारित है। सहकारिता का मूल मंत्र"सबके लिए और सब एक के लिए"है। सहकारिता के माध्यम से गांव-गांव का नेतृत्व तैयार होकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता ही वह मार्ग है, जिसके जरिए समाज को संगठित कर समग्र विकास की ओर ले जाया जा सकता है।

विषय विशेषज्ञ सेवानिवृत्त पशु चिकित्सकडॉ. जे.सी. राठौरने सेमिनार में दुग्ध उत्पादक किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पशुपालन में वैज्ञानिक तरीके अपनाने से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि होती है। उन्होंने पशुओं की बीमारियों, टीकाकरण, उचित आहार तथा उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी दी।

आयोजक संस्था जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारीअनिरुद्ध शर्माने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सहकारिता पूंजीवाद और समाजवाद के बीच का संतुलित मार्ग है। यह वह व्यवस्था है, जिसकी आज सबसे अधिक प्रासंगिकता है। सहकारिता ही ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हमबेहतर दुनिया का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जिला सहकारी संघ के जनसंपर्क अधिकारी पिंकेश भट्ट ने किया।कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं और पुष्पगुच्छों से किया गया। स्वागत करने वालों में दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था पंचेड़ के अध्यक्ष बद्रीलाल, दुग्ध समिति बांगरोद के संचालक धर्मेंद्र, दुग्ध समिति मलवासा के लालचंद, दुग्ध समिति जड़वासाकला के संचालक जगदीश, सहकारिता विभाग के अंकेक्षक विकास खराडे, कमल बुंदेला, हरीश चौहान, दीपक आर्य, श्रीमती ज्योति, मगन, पर्यवेक्षक हरीश लबाना, सहायक पर्यवेक्षक गोवर्धन पाटीदार, दुग्ध समिति बांगरोद के सचिव महेश, पंचेड़ के संघ प्रतिनिधि बद्रीलाल, बिरमावल से शंकरलाल पाटीदारशामिल रहे।इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने सहकारिता आंदोलन को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ की क्षेत्रीय बैठक सम्पन्न

इंदौर, इंदौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित के जिला धार एवं बदनावर (फुलगांवडी) की अध्यक्ष एवं संघ प्रतिनिधियों की क्षेत्रीय बैठक का आयोजन धार के शगुन गार्डन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर इंदौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित, इंदौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बलबीर शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व संचालक श्री राजेंद्र सिंह पटेल, श्री रामेश्वर रघुवंशी, जिला संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शुभेन्द्र सिंह पवार एवं प्रचार-प्रसार अधिकारी श्री लक्ष्मीनारायण चावड़ा सहित जिले की विभिन्न दुग्ध समितियों के अध्यक्ष, संघ प्रतिनिधि एवं समिति सचिव बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का संचालन श्री मुकेश सागरे द्वारा किया गया। इस दौरान प्रबंधक संचालन श्रीमती वर्षा सिंगारे ने क्षेत्रीय गतिविधियों एवं संघ के कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। अंत में प्रभारी प्रबंधक (क्षेत्र संचालक) श्री मोहन वास्केल ने आभार व्यक्त किया।

बैठक में अध्यक्षों, संघ प्रतिनिधियों एवं सचिवों द्वारा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न एवं सुझाव रखे गए, जिन पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बलबीर शर्मा ने विस्तारपूर्वक चर्चा की और दुग्ध संघ द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर प्रबंधक क्षेत्र संचालक श्रीमती वर्षा सिंगारे, प्रभारी प्रबंधक श्री मोहन वास्केल, पर्यवेक्षक श्री जीतराम बैगा, समिति सेवक श्री मुकेश सागरे, श्री भूपेंद्र पुरोहित, श्री कन्हैयालाल परमार, श्री हरिओम गिरी, श्री सुनील पर्वत, श्री माखन डोडिया, श्री मनोहर चौधरी, श्री विनोद जाट, श्री नवदीप उपाध्याय, श्री राजेश चरण एवं श्री विनोद घटिया उपस्थित रहे।

गांधी शिल्प बाजार–2025 ने स्थानीय और राष्ट्रीय शिल्पकारों को दिया मंच, आयोजन हुआ सफल

भोपाल, मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी भोपाल में गांधी शिल्प बाजार 20 सितंबर 2025 को दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। यह आयोजन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा तीसरी बार शहर में आयोजित किया गया था, जिसमें स्थानीय शिल्पकार के साथ-साथ देश भर के शिल्पकारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।मुख्य अतिथि श्री अजीत गोपाल, अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में श्री लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष अग्रवाल (सेवानिवृत्त), वस्त्र मंत्रालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई, श्री दिप्रांशु हलदार (क्षेत्रीय निदेशक), एवं श्री नरसिंह सैनी, सहायक निदेशक, हस्तशिल्प सेवा केंद्र भोपाल जैसे विशेष अतिथियों ने भी शिल्प बाजार का दौरा किया और हस्तशिल्प की विविधता व कारीगरों की कला की प्रशंसा की।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गणेश प्रसाद मांझी, प्राचार्य, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित ने की, जबकि संचालन श्री संतोष येडे, राज्य समन्वयक ने किया।उद्घाटन के समय मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने मेले का विस्तार से अवलोकन करते हुए बताया कि मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ लगातार हस्तशिल्प की परंपरा के संरक्षण, कारीगरों के उत्थान और रोजगार के लिए कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल पारंपरिक कला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है, बल्कि शिल्पकारों को आर्थिक समृद्धि की दिशा में भी मदद मिलती है।इस शिल्प बाजार में लकड़ी की नक्काशी, मिट्टी के बर्तन, बांस और जूट उत्पाद, वस्त्र कला, धातु शिल्प, आभूषण, चित्रकला, चर्म शिल्प और गृह सज्जा से जुड़े अनगिनत पारंपरिक व आधुनिक हस्तशिल्प प्रदर्शित किए गए। मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा, कश्मीर सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कलाकृतियों से मेले को जीवंतता प्रदान की।भोपाल शहर के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर इस आयोजन में भाग लिया और राष्ट्रीय हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत को एक बार फिर अपने सजीव रंगों से सजाया। स्थानीय लोगों की संगीतमय, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और कला उत्सव ने मेले के आकर्षण में चार चाँद लगाए। आयोजकों ने बताया कि गांधी शिल्प बाजार–2025 ने युवाओं को स्वरोजगार के रास्ते दिखाए हैं और हस्तशिल्प की विरासत को आधुनिक युग में संरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई है। भविष्य में इस आयोजन को और भी व्यापकता और वैविध्य के साथ स्वरूपित करने की योजना है, ताकि लाखों कारीगरों को रोजगार, सम्मान और वैश्विक मंच मिल सके।यह आयोजन स्पष्ट रूप से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतिनिधि रहा, जहां कला, संस्कृति, परंपरा और आर्थिक विकास का सशक्त संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों, शिल्पकारों और स्थानीय हितग्राहियों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता बनाए रखने, पॉलीथिन का उपयोग न करने एवं पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए प्रेरित किया गया। सभी से शपथ दिलाई गई कि वे इस दिशा में पूरी ईमानदारी से योगदान देंगे। इस पहल से मेले में स्वच्छता के प्रति जबरदस्त जागरूकता फैली और शिल्पकारों ने भी इसे अपनी जिम्मेदारी समझा।

उज्जैन में सहकारी संस्थाओं के प्रबंधकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

उज्जैन | अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में जिले की पैक्स संस्थाओं, एफपीओ एवं सहकारी संस्थाओं के समिति प्रबंधकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की क्षेत्रीय निदेशक, उपनिदेशक, संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त, अंकेक्षण अधिकारी, राज्य संघ प्रशिक्षण केंद्र इंदौर के प्राचार्य सहित सहकारिता क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ प्रमुख एवं विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्य संघ के रॉबिन सक्सेना और गौरव जी ने भी प्रशिक्षण सत्र में मार्गदर्शन दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समिति प्रबंधकों को आदर्श उपनियम, पारदर्शिता, सुशासन, वित्तीय प्रबंधन तथा सहकारी संस्थाओं के सतत विकास की जानकारी प्रदान करना था। एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) और सहकारी संस्थाओं के प्रबंधकों को आत्मनिर्भर सहकारिता के नए पहलुओं से अवगत कराया गया। सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।एफपीओ के संचालन, विपणन प्रबंधन और आयवृद्धि के लिए नवीन तकनीकों की जानकारी साझा की गई। सहकारी संस्थाओं को सशक्त करने के लिए विशेष मार्गदर्शन दिया गया।समिति प्रबंधकों को आदर्श उप नियमों के अनुपालन तथा उनमें किए गए नवीन सुधारों पर प्रकाश डाला गया।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ की 54वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ की 54वीं वार्षिक साधारण सभा दिनांक 25 सितम्बर 2025 को संघ के प्रधान कार्यालय, शाहपुरा, भोपाल में सम्पन्न हुई। बैठक का आयोजन दोपहर 12 बजे संघ के प्राधिकृत अधिकारी एवं पंजीयक सहकारी संस्थायें म.प्र. श्री मनोज पुष्प की अध्यक्षता में किया गया।सभा के शुभारम्भ में संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए संघ द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी।इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों में श्री प्रदीप नीखरा (भोपाल), श्री अनिरुद्ध शर्मा (रतलाम), श्री पी.एन. शर्मा (भिण्ड), श्री अरविन्द मिश्रा (इन्दौर), श्री ओमकार सिंह यादव (खरगोन) एवं श्री राजीव शर्मा (ग्वालियर) ने अपने विचार रखते हुए संघ द्वारा सहकारी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं योजनाओं के सफल संचालन की सराहना की। साथ ही उन्होंने भावी कार्यक्रमों के संचालन हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव भी प्रस्तुत किये।पंजीयक सहकारी संस्थायें म.प्र. श्री मनोज पुष्प ने प्रतिनिधियों के सुझावों पर सकारात्मक विचार व्यक्त करते हुए उनके क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि "अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025" एवं "राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025" के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में संघ को भी संकल्पित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ प्रदेश के सहकारी आन्दोलन को सुदृढ़ करने एवं एक विशिष्ट पहचान स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभायेगा।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।